भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 877**

29 नवम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

**आयुष शैक्षणिक संस्थान**

877. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) योग के संबंध में कितने शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों, आरोग्य केन्द्रों और अन्य संस्थाओं में अनुसंधान किया जा रहा है;
(ख) उपर्युक्त हेतु आबंटित निधि का ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा विश्व भर में योग के प्रचार-प्रसार के लिए विशिष्ट कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है;
(घ) क्या सरकार द्वारा विदेशों में स्थित दूतावासों के माध्यम से कोई योग जागरूकता और संवर्धन कार्यक्रम चलाया जा रहा है;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**
**(श्री प्रतापराव जाधव)**

(क): शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों, आरोग्य केंद्रों और अन्य संस्थानों की संख्या, जहां अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से योग पर अनुसंधान किया जा रहा है, **संलग्नक** में दी गई है।

(ख): उपरोक्त अनुसंधान परियोजनाओं के लिए 15.30 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।

(ग): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्व भर में योग को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई): 21 जून को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाए जाने के बाद एक प्रमुख कार्यक्रम बन गया है, जिसमें दूतावासों, योग चिकित्सकों और स्थानीय समुदायों के माध्यम से विश्व भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी होती है।
(ii) शैक्षणिक पहल: पाठ्यक्रमों के माध्यम से योग शिक्षण के लिए समर्थन, और विदेशी विश्वविद्यालयों में आयुष अध्यक्ष पदों की स्थापना।
(iii) योग प्रमाणन बोर्ड (वाईसीबी): आयुष मंत्रालय द्वारा स्थापित, वाईसीबी, योग पेशेवरों और संस्थानों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन प्रदान करता है, जो शिक्षण और अभ्यास में गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करता है। यह प्रमाणित योग पेशेवरों का एक विश्वसनीय वैश्विक नेटवर्क बनाने में मदद करता है।
(iv) डिजिटल अभियान और संसाधन: बहुभाषी योग संसाधनों, ऐप्स (जैसे वाई-ब्रेक) और वीडियो का निर्माण, ताकि पहुँच को बढ़ाया जा सके और विश्व भर में इसके अभ्यास को बढ़ावा दिया जा सके।

(घ) और (ङ): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार अपने दूतावासों और उच्चायोगों के माध्यम से सक्रिय रूप से योग जागरूकता और प्रचार कार्यक्रम आयोजित करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम: दूतावास, विश्व भर में स्थानीय संगठनों और समुदायों के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह आयोजित करते हैं।
(ii) कार्यशालाएं और प्रदर्शन: देशों में स्थानीय संस्थानों के साथ साझेदारी में नियमित रूप से योग कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र और लाइव प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं।
(iii) सांस्कृतिक आउटरीच: दूतावासों द्वारा आयोजित भारतीय सांस्कृतिक उत्सवों और आउटरीच गतिविधियों में योग को एकीकृत किया जाता है।
(iv) संसाधन प्रसार: दूतावास, स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए संसाधनों को वितरित करने के लिए विभिन्न भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों में स्थापित आयुष सूचना प्रकोष्ठों के माध्यम से योग को शामिल करते हुए आयुष संबंधी जागरूकता फैलाते हैं।

*****

**संलग्नक**

**शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों, आरोग्य केंद्रों और अन्य संस्थानों की संख्या जहां अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से योग पर अनुसंधान किया जा रहा है।**

| **क्र.सं.** | **परियोजना का नाम** | **केन्द्रों का नाम** | **परियोजनाओं की संख्या** |
|---|---|---|---|
| 1. | योग के माध्यम से मन-शरीर उपचार के लिए सहयोगात्मक केंद्र | (क) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर, छत्तीसगढ़<br>(ख) एम्स, ऋषिकेश , उत्तराखंड<br>(ग) स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआई), चंडीगढ़ | 05<br>05<br>05 |
| 2. | सहयोगात्मक अनुसंधान केंद्र (सीआरसी) | क. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस), बैंगलोर<br>ख. संस्कृति फाउंडेशन, मैसूर<br>ग. कैवल्यधाम, लोनावाला | 12<br>12<br>08 |
| 3. | इंट्रा म्यूरल रिसर्च (आईएमआर) | क. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी, हिमाचल प्रदेश<br>ख. केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन)<br>ग. सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय<br>घ. स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआई), चंडीगढ़<br>ङ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल<br>च. सफदरजंग | 01<br>16<br>01<br>01<br>02<br>01 |